



BETA DRUGS LIMITED

BDL/PKL/SEC/2026-27

7th September, 2026

To,
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza
Bandra Kurla Complex
Bandra East
Mumbai 400051

Script :-BETA

Dear Sir,

Subject: Newspaper Advertisement for 21st Annual General Meeting.

Dear Sir/Madam

With reference to the above subject, please find enclosed herewith the cuttings of newspapers in which the Notice for intimating that 21st AGM of the Company will be held on Wednesday, 30th September, 2026 at 10:30 A.M, (IST) at registered office of the company situated at Village Nandpur, Lodhimajra Road, Baddi, Distt Solan, H.P. 174101 were published:-

1. Business Standard (English Newspaper)
2. Business Standard (Hindi News Paper)

This is for your information and record.

Thanking You

Your's faithfully

For Beta Drugs Ltd.

Beta Drugs Limited
Rajni
Company Secretary
ACS - 24684

Rajni Brar
Company Secretary

CIN No.: L24230HP2005PLC028969

Admin. Office : SCO 184, Sector-5, Panchkula-134 114 Haryana (INDIA) Phone: +91-172-2585481-482-483

Registered Office & Works: Vill. Nandpur, Lodhimajra Road, Tehsil. : Baddi, Distt. Solan, H.P. Phone No. : 01795-236196

Website :- www.betadrugslimited.com

E-Mail :- info@betadrugslimited.com

CHAMAN LAL SETIA EXPORTS LIMITED

Regd. Off: P-0 CENTRAL JAIL, MIRANKOT ROAD, AMRITSAR-143002, PUNJAB
CIN: L51090PB1994PLC015083 Tel: 0183-2592708 Fax: 0183-2590453
E-mail: cslsetia@rediffmail.com, Website: www.cslset.in

**NOTICE OF 32nd ANNUAL GENERAL MEETING,
RECORD DATE, BOOK CLOSURE AND REMOTE
VOTING INFORMATION**

Notice is hereby given that the 32nd Annual General Meeting (AGM) of the Members of Chaman Lal Setia Exports Ltd. ("the Company") is scheduled to be held on Monday 28th September, 2026 at 04:30 p.m. through Video Conferencing (VC)/ Other Audio-Visual Means (OAVM) in compliance with General Circular dated April 8, 2020 and April 13, 2020, May 5, 2020 and January 13, 2021 and December 8, 2021 and December 14, 2021 and May 5, 2022, December 28, 2022, 25th September, 2023, 09th September, 2024, the latest being 03/20/25 dated 22.09.2025 (collectively referred to as "MCA Circulars") and the applicable provisions of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 issued by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) vide which Companies are allowed to hold AGM through Video Conferencing (VC)/ Other Audio-Visual Means (OAVM), without the physical presence of Members at a common venue to transact the businesses as set out in the Notice of 32nd AGM.

In compliance with the aforesaid circulars, electronic copy of the Notice of the 32nd AGM along with Annual Report have been sent to all the members whose email addresses are registered with the Company/Depositories Participant ("DP") Registrar and Share Transfer Agent ("RTA") as on 28.08.2026.

A letter containing the weblink, along with the exact path to access the complete details of Annual Report is being sent to those members who have not registered their email ids.

Sd/-
Manager
Limited

Sd/
AUTHORISED SIGNATORY
IIFL FINANCE LIMITED

Sd/
AUTHORISED SIGNATORY
IIFL FINANCE LIMITED

2 कंपनी समाचार

संक्षेप में

पश्चिम बंगाल की 2 फर्मी के लाइसेंस रद्द

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने स्वच्छता और साफ-सफाई से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के मामले में पश्चिम बंगाल की कैलाश फॉर्मूलेशन और सैनक्योर वाटर प्रोजेक्ट नामक दो कंपनियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इन दोनों कंपनियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। नियामक ने कहा, ‘दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में चलाए गए प्रवर्तन अभियान में स्वच्छता, साफ-सफाई और अनापालन संबंधी गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद कैलाश फॉर्मूलेशन और सैनक्योर वाटर प्रोजेक्ट के एफएसएसएआई लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।’

भाषा

शैले होटल्स का 5,500 कमरों का लक्ष्य

अतिथि-सत्कार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शैले होटल्स लिमिटेड का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक अपने कमरों की संख्या बढ़ाकर लगभग 5,500 करने का है। शैले होटल्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्य अधिकारी श्वेतांक सिंह ने बताया कि कंपनी अपने पारंपरिक परिसंपत्ति-स्वामित्व मॉडल से आगे बढ़कर यह विस्तार कर रही है। यह विस्तार शैले के व्यावसायिक मॉडल में आए बदलाव को दर्शाता है। कंपनी अब तीसरे पक्ष द्वारा संचालित होटल, फ्रैंचाइजी संपत्तियों और अपने खुद के ‘अथिवा’ ब्रांड के तहत होटल को जोड़कर इस लक्ष्य को आगे बढ़ा रही है। कंपनी की आगामी परियोजनाओं के तहत 1,200 से 1,300 कमरे अथिवा ब्रांड के तहत तैयार किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा, ‘अब हम केवल परिसंपत्ति-स्वामित्व मॉडल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि तीनों मॉडल पर एक साथ काम कर रहे हैं।’

भाषा

डीपी आभूषण : 15,000 करोड़ राजस्व की आस

आभूषण खुदरा विक्रेता कंपनी डीपी आभूषण ने वित्त वर्ष 2029-30 तक 15,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी इस अवधि में खासकर दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में अपने स्टोर की संख्या बढ़ाकर 51 करने की योजना बना रही है। डीपी आभूषण के प्रवर्तक विकास कटारिया ने बताया कि कंपनी के फिलहाल मध्य प्रदेश और राजस्थान में 12 स्टोर हैं।

भाषा

नोब्रोकर का जल्द मुनाफे में आने का लक्ष्य

रियल एस्टेट क्षेत्र के मंच नोब्रोकर.कॉम का राजस्व पिछले वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है और कंपनी अगले आठ से 10 महीने में मुनाफे में आने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु स्थित यूनिकॉर्न नोब्रोकर.कॉम की स्थापना 2013 में हुई थी। यह मुख्य रूप से किराये, खरीद और बिक्री के लिए संपत्तियों को सूची उपलब्ध कराता है और ग्राहकों से कोई ब्रोकरेज शुल्क नहीं लेता है।

भाषा

मारुति: प्रीमियम हैचबैक पर दांव

चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में इस श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया

अंजलि सिंह मुंबई, 6 सितंबर

मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने के दौरान प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है।

मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने लगभग 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजुकी की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है।

बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 प्रतिशत बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 प्रतिशत रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाह रही है। इसमें एडवॉरंड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएसएस) समेत कई नई खूबियां हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार पर एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 प्रतिशत होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज



पार्थो बनर्जी

वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री)

मारुति सुजुकी इंडिया

व्हीकल (एमपीवी) के लिए लगभग 37 से 38 प्रतिशत हिस्सेदारी ही बचेगी।

बनर्जी ने कहा, ‘हमारा मानना है कि यह उद्योग लगभग 63 लाख वाहनों का होगा।’ उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा लगभग 6 लाख वाहनों से दोगुना बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।

विस्तार से मणिपाल होगी और दमदार

सोहिनी दास मुंबई, 6 सितंबर

मणिपाल हॉस्पिटल्स अपनी विस्तार योजनाओं के तहत 2,426 बेड में से लगभग 80 प्रतिशत बेड ग्रीनफील्ड परियोजनाओं (नए सिरे से निर्माण) के जरिय निर्मित करने की योजना बना रही है। इससे संकेत मिलता है कि कई वर्षों तक अधिग्रहण के जरिये वृद्धि करने के बाद अब कंपनी नए सिरे से अस्पताल बनाने पर भरोसा कर रही है।

यह अस्पताल श्रृंखला साल 2030 तक नए विस्तार के जरिये लगभग 1,943 बेड और पहले से मौजूद अस्पतालों के विस्तार के जरिये 483 बेड जोड़ने की योजना बना रही है। 5 अगस्त को शेयर बाजार पर सूचीबद्धता के बाद कंपनी की पहली सालाना रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इस तरह नए सिरे से विस्तार योजनाओं में बेड की हिस्सेदारी कुल नियोजित क्षमता का 80.1 प्रतिशत है।

इस विस्तार में मुख्य रूप से उन बाजारों पर ध्यान दिया जाएगा जहां मणिपाल की

खर्च प्रति बेड लगभग 1.5 करोड़ रुपये बैठता है। इस हिसाब से जमीन और इमारत निर्माण की लागत को छोड़कर नए सिरे से तैयार किए जाने वाले नियोजित 1,943 बेड के लिए लगभग 2,915 करोड़ रुपये का निवेश करना पड़ सकता है। यह प्रति बेड निवेश के आधार पर किया गया अनुमानित हिसाब है। मणिपाल के मौजूदा अस्पतालों में भी विस्तार की गुंजाइश है।वित्त वर्ष 2026 में इसकी मरीज दर 64.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल यह 67.1 प्रतिशत थी। लेकिन इस दौरान ऑपरेशनल बेड की संख्या 5,179 की तुलना में 20.2 प्रतिशत बढ़कर 6,227 हो गई। आम तौर पर कंपनी तब अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने पर विचार शुरू कर देती है, जब किसी अस्पताल में बिस्तर पर मरीज दर 70 प्रतिशत के करीब पहुंच जाती है, ताकि मौजूदा अस्पतालों पर दबाव बढ़ने से पहले ही निर्माण कार्य के लिए समय मिल सके। यह निमाण योजना विलय-अधिग्रहण से हुई तेज वृद्धि के बाद सामने आई है।

आरपीजी लाइफ की नजर बड़ी एपीआई परिसंपत्तियों पर

सोहिनी दास मुंबई, 6 सितंबर

आरपीजी लाइफ साइंसेज पांच सप्ताहों में दो अधिग्रहणों पर लगभग 215 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद अब बड़ी एंक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) परिसंपत्तियों की तलाश कर रही है।यह दवा कंपनी अपने एपीआई व्यवसाय को तेजी से बढ़ाना और विश्वी बाजारों में अपनी मौजूदगी का विस्तार करना चाहती है। प्रबंध निदेशक अशोक नायर ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, ‘हमारे पास 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की पूंजी है और हम अपने एपीआई व्यवसाय को मजबूत करने के मौकों पर तेजी से विचार कर रहे हैं।’ उन्होंने कहा कि कंपनी खास तौर पर ऐसे व्यवसाय पर विचार कर रही है जो अलग तरह की केमिस्ट्री, नियामकीय पहुंच और अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) से मंजूूर क्षमताएं जोड़ सकें।

नायर ने कहा कि आगे होने वाले सौदों का समय पहले से तय

अशोक सूटा : एक उद्यमी, काम के धुनी

अभीक दास बेंगलूर, 6 सितंबर

एक के बाद एक नया कारोबार स्थापित करने वाले ज्यादातर उद्यमी जब 83 साल की उम्र में आराम करना, सक्रिय कार्यों से हटना और अपनी जिंदगी भर की मेहनत के फल का आनंद लेना पसंद करते हैं, ऐसे समय में भी अशोक सूटा अलग ही राह चुन रहे हैं। स्वास्थ्य और अतिरिक्तल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रति जुनूनी 80 से ज्यादा उम्र वाले अशोक सूटा ने हाल में अपनी दूसरी कंपनी हैपिपस्ट माइंड्स में अपनी बहुलांश हिस्सेदारी आईटीसी इन्फोटेक को बेचने का एलान किया है।

सूटा हैपिपस्ट माइंड्स के नियंत्रक प्रवर्तक का पद छोड़ रहे हैं और उस कंपनी की हिस्सेदारी बेच रहे हैं जिसे उन्होंने साल 2011 में स्थापित किया और साल 2020 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराया था।कंपनी 110 प्रतिशत के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुई थी।

लगातार नए उद्यम स्थापित करने वाले सूटा अब अपनी डायमॉस्टिक

चंडीगढ़ | सोमवार, 7 सितंबर 2026

बिज़नेस स्टैंडर्ड

डीमर्जर के बाद की तैयारी

एचईजी करेगी 5,500 करोड़ का पूंजीगत खर्च

सोहिनी दास मुंबई, 6 सितंबर

एचईजी एडवॉरंड मैटेरियल्स डीमर्जर के बाद अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए लगभग 5,500 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च की योजना बना रही है। इसमें सिंथेटिक ग्रेफाइट एनोड मैटेरियल्स को वृद्धि के लिए सबसे अहम माना जा रहा है।

कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और ऊर्जा भंडारण से जुड़ी मांग को पूरा करने पर ध्यान दे रही है। एचईजी की योजना है कि वह वित्त वर्ष 2032 तक एनोड मैटेरियल की क्षमता को शुरुआती 20,000

टन से बढ़ाकर 60,000 टन करे। साथ ही, वह अपने बैटरी एनर्जी सॉल्यूशंस और ग्रीन-पावर बिजनेस का भी विस्तार करेगी। योजनाबद्ध निवेश में एनोड बिजनेस का हिस्सा सबसे ज्यादा होगा।

बिज़नेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए कंपनी के चेयरमैन, एमडी और सीईओ ऋजु झुनझुनवाला ने कहा, ‘इस डीमर्जर का मकसद वैक्यू हासिल करना, निवेशकों को हर बिजनेस लाइन तक केंद्रित पहुंच देना और शेयरधारकों के लिए मूल्य

लाने पर ध्यान दिया जाएगा। 20,000 टन क्षमता वाले पहले चरण का काम चल रहा है और वित्त वर्ष 2028 की पहली तिमाही में उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य है। इंजीनियरिंग का काम पूरा हो चुका है और खरीद का 85 फीसदी काम भी हो गया है। साथ ही, बाद में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 30,000 टन किया जा सकता है। कंपनी पिछले 12 महीनों से मध्य प्रदेश के मंडीदीप में 200 टन का डेमोस्ट्रेशन प्लांट का भी संचालन कर रही है।